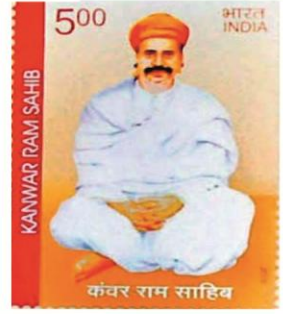




सिंधी प्रवेशिका सिंधी भाषा प्रवेशिका SINDHI PRIMER



ई-पाठशाला

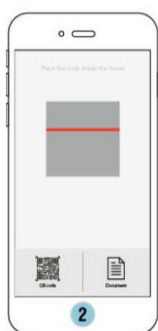
क्यूआर (QR) कोड से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्लिक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला epathshala.nic.in के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।



प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें



क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें



स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें



लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें



उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें—
<https://epathshala.nic.in/topics.php> पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

 दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। दीक्षा का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।



अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें



अपनी भूमिका चुनें—शिक्षक या विद्यार्थी



पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें



क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें



कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें



क्लिक करके क्यूआर कोड से संबंधित ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें—
<https://diksha.gov.in/resources> पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।



“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

सिंधी प्रवेशिका

सिंधी भाषा प्रवेशिका

SINDHI PRIMER



भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
email: dceta.ncert@nic.in

सिंधी प्रवेशिका

सिंधी भाषा प्रवेशिका

SINDHI PRIMER

A basal reader of Sindhi alphabet (Devanagari) and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors

Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Ramanujam Meganathan

ISBN: 978-81-971106-9-6

First Edition: May, 2025

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2025

All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: G. Yuvaraj

Cover Photo: Sindhi Resource Persons

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.



संदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की तत्काल आवश्यकता है।

अतः हमने एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ माननीय प्रधानमंत्री जी के 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में अत्यधिक उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

संजय कुमार, भा.प्र.से
सचिव

Sanjay Kumar, IAS
Secretary



भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
Government of India
Ministry of Education
Department of School Education & Literacy



संदेश

मनुष्य की सभ्यता और संस्कृति को आकार देने में भाषा महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करती है। भाषा एक समूह की विशेषताओं को परिभाषित करने के साथ-साथ एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान संचार का माध्यम भी है। भाषा सभ्यता को आगे बढ़ाने और मनुष्य को अधिक उन्नत स्थिति तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा के माध्यम से विज्ञान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के रूप में प्रसारित ज्ञान देश भर के सभी बच्चों तक पहुँचाया जा सकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा-2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक के आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में सीखने-सिखाने पर बल देती है। भारतीय भाषाओं के प्रोत्साहन के उद्देश्य से एनसीईआरटी, नई दिल्ली तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के अथक् प्रयासों के परिणामस्वरूप भारतीय भाषाओं में सीखने सिखाने हेतु प्रवेशिकाओं का विमोचन किया जा रहा है। ये प्रवेशिकाएँ मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देने और बच्चों में विभिन्न अवधारणाओं की समझ विकसित करने में सहायक होंगी। साथ ही राज्यों और शैक्षिक एजेंसियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन सकेगी। हमारे लिए इन प्रवेशिकाओं को शिक्षकों, अभिभावकों, शिक्षाविदों तथा अन्य हितधारकों तक पहुँचाना गर्व की बात है।

इस अवसर पर मैं प्रवेशिकाओं के निर्माण से जुड़े सभी सदस्यों, विशेषज्ञों एवं विभिन्न भाषायी शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके बहुमूल्य योगदान से इन प्रवेशिकाओं को विकसित करना संभव हो पाया है। मुझे विश्वास है कि इन प्रवेशिकाओं से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शिक्षक-प्रशिक्षकों, प्रशासकों, अभिभावकों, प्रधानाध्यापकों और शिक्षा के अन्य हितधारक लाभान्वित होंगे।

(संजय कुमार)

प्राक्कथन

भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम तो है ही, संस्कृति का एक उपादान भी है। भाषा समुदाय की पहचान होती है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित भी करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है- एक ओर भारत की भाषिक विविधता एवं समृद्धि को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारत के संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं से संबंधित हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित तथ्य है कि बच्चों में भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है। अतः राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों- यह किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को 'बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह सशक्त नींव न केवल भविष्य में विद्यालयी एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं (प्राइमर) का लक्ष्य छोटे बच्चों या भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से परिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों जैसे-बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी।

शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी द्वारा उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मई 2025
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका/Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्यधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilised efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to 'Viksit Bharat'. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

भारत सदियुनि खां वठी हिकु घणभाषाई ऐं घणसभ्यतिक देसु रहियो आहे, जंहीं में घणेई बोलियूं / मादरी बोलियूं गाल्हायूं वेदियूं आहिनि। इहा इन देस जी अहम खूबी आहे त असां पंहिजे रोजाने वंहिंवार में किस्में-किस्में बोलियुनि जो इस्तेमालु कंदा आहियूं जेके असां खे बुधीअ ऐं एके में रखदियूं आहिनि। नैशनल एजूकेशन पॉलिसी (एन ई पी) 2020 में इन गाल्हि ते वधीक बुलु डिनो वियो आहे त भारत जो घणभाषाई सुभाउ हिक तमामु वडी मिलिक्यत आहे, जंहिंजो देस जे समाजी-सभ्यतिक, तिजारती ऐं तालीमी वाधारे लाइ कामियाबीअ सां इस्तेमाल करण जी ज़रूरत आहे। इहा तालीम जे हर दर्जे ते घणभाषाईअ खे वाधारो ड्रियण जी सिफ़ारिश कंदी आहे जीअं शागिर्दनि खे पंहिंजी बोलियुनि में पढ़ण जो मौक्रो मिली सघो। सभिनी भारतीय बोलियुनि में सिखण-सेखारण वारे मवाद जी रचना सां इन घणभाषाई मिलिक्यत में वाधारो थींदो इन सां तरकीयाफ़ता भारत खे अडुण में बहिररु योगदान थी सघंदो। एनईपी 2020 जी सिफ़रिशुनि मूजिबु, शुरुआती दर्जे जे प्राईमर्स जो मक़सदु शुरुआति, विच ऐं पछाड़ीअ खे गुंढे तरकीअ लाइ हिक कुशादे ऐं शामिल नज़रिए जी ज़रूरत आहे जेको भारत जे हर हिक इलाके जी निराली बोलियाई ऐं सभ्यतिक खूबियुनि मुताबिक हुजे। इन्हनि प्राईमर्स जो मक़सदु शुरुआती दर्जे जे शागिर्दनि खे पढ़ण ऐं लिखण में

माहिर करणु ऐं संदनि तखलीक ऐं तंकीदी सोच खे तरकी डियण आहे। इहो कंहिं भाषा जी अलामतुनि ऐं उनजी वर्णमाला जे अखरनि खे सुजाणण, समुझण ऐं उचारण जी कुंजी आहे। इहे प्राईमर्स ब्रांनि खे अखरनि जे हिक या हिक खां वधीक जोड़नि जी मानाउनि जी बि ज्राण डींदा, जेके अखर शुरूआति, विच ऐं पछाडीअ खे गुंढण सां ठहंदा आहिनि। इन खां सवाइ, इहे अखर लिखण जे अभ्यास खे सवलो ठाहिण लाइ मिसाल पेश कंदा आहिनि ऐं इहे ब्राणा गीत / छंद ब्रांनि जी बोली ऐं संदनि ज्ञान बाबति फ़न जे वाधारे लाइ बि मददगारु साबित थींदा।

मई 2025
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Sindhi Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi

Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru

Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra Prasad Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology (CIET),
NCERT, New Delhi

Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi

Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Coordinator

Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi

Ravindra Kumar, Associate Professor, CIET, NCERT, New Delhi

Editorial Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Hasso Dadlani, Former Vice Principal, Govt College Ajmer

Ramesh S. Lal, Secretary, Sindhi Academy, Delhi

Shalini Sagar, Senior Announcer (Retired) Akashwani, All India Radio, Delhi

Vineet Satpal, Freelancer, Sindhi Academy, Delhi

Jiwat keswani, Resource Person (Teaching) in Sindhi, Western Regional Language Centre, Pune

Hindi Reviewer

Satyaendra Kumar Awasthi, Senior Resource Person II, LDC-IL, CIIL, Mysuru

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru

Jewsranrang Basumatary, Resource Person (Teaching) in Bodo, North Eastern Regional Language
Centre, (CIIL), Guwahati

Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages
(SPPEL), CIIL, Mysuru

Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru

Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

प्रवेशिका जो इस्तेमाल कीअं कजे

नैशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 ऐं नैशनल करीकुलम फ्रेमवर्क, 2022 मूजिबु टिनि खां अठनि सालनि जे ब्रानि खे संदनि मादरी बोली / घरू बोली / इलाकाई बोलीअ में तालीम डियण जो बंदोबस्तु कयलु आहे। भारत जे गोठाणे इलाकनि में ब्रार क्लास जी तालीम-दान वारे सिरिशते खे समुझी कोन सघंदा आहिनि। इहा गाल्हि इस्कूली तालीम बंदोबस्त खे मुतासिरु करे थी। इन करे मर्कजी सरकार टिनि खां अठनि सालनि जे ब्रानि लाइ बाल वाटिका ऐं पहिरिऐं ऐं ब्रिएं दर्जे जे ब्रानि खे प्राईमरी लेवल ते बुनियादी तालीम मुयसर करण जो बंदोबस्तु कयो आहे।

इन में मकानी गीतनि ऐं बैतनि वसीले ब्रानि जी ज़बानी बोलीअ जे वाधारे ते ध्यान डिनो वियो आहे। इहो कम प्रवेशिका में बैतनि ऐं तस्वीरुनि ज़रीऐ कयो पियो वजे। इन सां गडु ब्रानि खे आवाज़नि जी सुजाणप वर्ण परिचय ऐं लिखण जे अभ्यास लाइ बि भाषा प्रवेशिका जो इस्तेमालु कजे थो।

बाल वाटिका सां ब्रिएं दर्जे ताई जे ब्रानि खे मादरी बोलीअ में पाढ़ण सां संदनि दिमागी तरकीअ सां गुडु उन्हनि जी तखलीकियत ऐं कल्पना जी ताकत में बि वाधारो थी सघे थो। ब्रार पंहिजी मादरी बोलीअ पाढ़ण-लिखणु सिखण सां गडु आहिस्ते-आहिस्ते हिंदी भाषा में कीअं पढ़ी-लिखी सघनि था, इन जो सही तरीको बुनियादी लेवल जे नैशनल करीकुलम फ्रेमवर्क 2022 में विस्तार सां डिनल आहे। ब्रार पहिरी पढ़ण-लिखणु सिखंदा आहिनि इनकरे हिंदी भाषा जी वर्णमाला जे किताबनि में ब्रानि जी मादरी बोली ऐं इस्कूल जी हिंदी भाषा जे साभिनी आवाज़नि, वर्णनि ऐं मात्रां डिनल लफ़्जनि जी चूंड ब्रानि जी संस्कृती ऐं माहौल मां कई वेई आहे।

घणभाषाई तालीम जो मूल मकसदु ब्रानि खे घर जी बोलीअ में पाढ़ण-लिखणु शुरू करे सूबे जी बोलीअ में पढ़ण-लिखण में संदनि महारत खे वधाइणु आहे। सिंधी ऐं हिंदी बोलीअ में हीउ प्राईमर सभिनी उस्तादनि ऐं तस्वीरुनि वसीले ब्रानि जी दिमागी ताकत में वाधारो कयो वेंदो आहे। उन खां पोइ भाषा सेखारण लाइ ब्रानि खे शयुनि सां गडोगडु अखर बि सेखारिया वेंदा आहिनि। इन सिलसिले में ब्रार अलगि-अलगि अखरनि खे सुजाणण सिखंदा आहिनि। इन रीति ब्रार आवाज़ ऐं अखर जे विच वारे राबते खे समुझंदा आहिनि। भाषा प्राईमर खे कीअं पढ़ण घुर्जे, इन जा मूल नुक्ता हेठि डिनल आहिनि-

आवाज़ जी सुजाणप: ब्रार तस्वीर डिसी करे उन शइ जो नालो बुधाईंदा। उस्ताद पुछंदा त तस्वीर जो नालो कहिड़े आवाज़ सां शुरू थिए थो ? जीअं सिंधी बोलीअ जो लफ़्जु 'अंबु' ऐं ब्रार तस्वीर डिसी करे सुजाणे वठंदा इहो अखरु 'अ' जे आवाज़ सां शुरू थिए थो।

अखर जी सुजाणप: उस्ताद पहिरी ब्रानि खे इहो बुधाईंदा त 'अ' अखर कीअं नज़र ईंदो आहे। वरी उन में डिनल कुझु लफ़्जनि में 'अ' अखर खे सुजाणण लाइ चवंदा। ब्रार टिनि चइनि लफ़्जनि मां अ अखर सुजाणे करे उनजो आवाज़ उचारींदा ऐं उन खे लिखण जो अभ्यास कंदा।

पढ़ण: ब्रार तस्वीर डिसी करे पंहिजी बोलीअ में अखर चवंदा। उन अखर ते आडुरि रखी ब्रार सिंधी अखर 'अंब' खे पढ़ंदा। इन रीति ब्रियनि अखरनि खे पढ़ी करे उहे 'अ' अखर खे सुजाणींदा ऐं उन जो उचार कंदा। ब्रार उस्तादनि खे इहो बुधाईंदा त 'अ' अखर लफ़्ज जे शुरूआति में ईंदो आहे या विच में या पछाड़ीअ में।

उस्ताद बोर्ड ते 'अंब' खां सवाइ टे-चारि ब्रिया लफ़्ज बि लिखंदा। वरी ब्रानि खे हिकु-हिकु करे घुराईंदा ऐं खेनि लफ़्ज पढ़ण ऐं अखरनि खे सुजाणण लाइ चवंदा। जीअं त इहे सभु लफ़्ज ब्रानि जे ज़ातल-सुजातल माहौल मां खंयल हूँदा आहिनि इनकरे उहे प्रवेशिका में तस्वीरुनि खे डिसी करे लफ़्जनि खे सुजाणे वेंदा ऐं उन्हनि खे सवलाईअ सां चई सघंदा। उस्ताद कोई हिकु लफ़्जु लिखंदा ऐं उनजे हरहिक अखर खे अलगि-अलगि पढ़ण लाइ चवंदा। पोइ अखरनि खे गुंढे करे उन्हनि लफ़्जनि खे पढ़ण लाइ चवंदा। इन सां ब्रानि जो लफ़्ज, अखर ऐं आवाज़नि सां सुजाणण थी वेंदी। हिकु ब्रार जडुहिं अखर पढ़ंदो त ब्रिया ब्रार हुन सां मिली करे उन अखर जो दुहिराउ कंदा। इन खे 'गडिजी' पढ़ण चवंदा आहिनि।

लिखणु: उस्ताद ब्रानि खे पहिरी 'अंब' अखर जे 'अ' लफ़्ज खे लिखणु सेखारींदा। इन लाइ कलम / पेंसिल खे कीअं हलाइणो आहे, इहो बि सेखारींदा। इन खे 'मददगारु लिखणु' चवंदा आहिनि। इन खां पोइ ब्रार प्रवेशिका में डिनल खाल में 'अ' अखर पाण लिखंदा। इन पूरे अमल में उस्ताद ब्रानि जी मदद कंदा।

बारनि जी ज़बानी बोलीअ जे वाधारे लाइ हर दाखिला में बिनि टिनि सिटुनि जी कविता डिनल आहे। इन खे पढ़ी करे ऐं गाए करे उस्ताद बारनि सां उन ते बहसु कंदा। उस्ताद इस्कूल जी लाइब्रेरीअ में मौजूद बाराणी कहाणियुनि जे किताब मां कहाणियूं बुधाए करे बुधाए करे बारनि सां उन ते बि बहसु कंदा। उहे पहरे ऐं बिऐं दर्जे जे बारनि खे संदनि मादरी बोलीअ में कहाणियूं ऐं गीत बुधाईदा।

इन प्रवेशिका में जेतारा लफ़्ज डिनल आहिनि, उहे तालीम जे नमूने तौर आहिनि। पर बार सवें लफ़्ज ज़ाणंदा आहिनि। इनकरे हिक अखर वारो लफ़्ज पुछण ते हू घणेई लफ़्ज बुधाए सघनि था। जीअं, उस्ताद इहो पुछंदा त- 'अ' सां शुरू थियण वारा कुझ लफ़्ज बुधायो।

हेठियुनि लीकनि खे डिसो ऐं डिनल खालनि में तस्वीरुं ठाहिण जी कोशिश कर्यो-

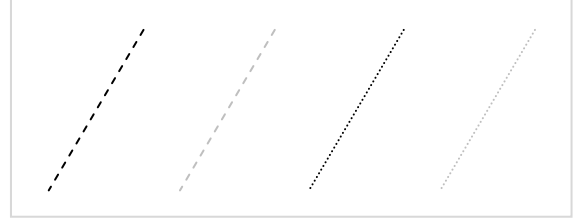
बीठल लीक : 



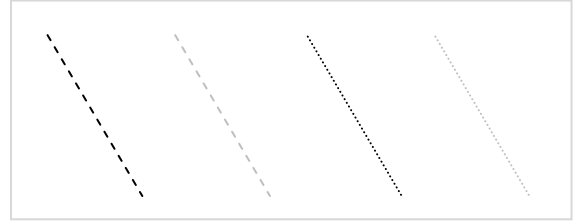
सुम्हियल लीक : 



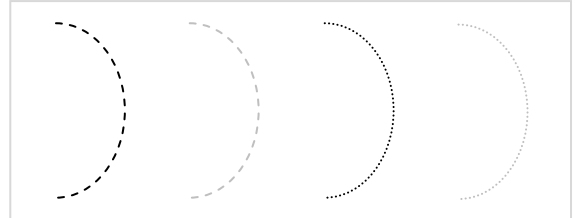
आडी लीक 1 : 



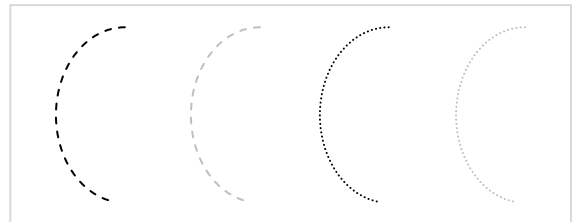
आडी लीक 2 : 



डिंगी लीक 1 : 



डिंगी लीक 2 : 



नोटः उस्तादु सेखारींदो त कलम खे कीअं हथ सां झलिणो आहे ऐं डिनल खालनि में लीकूं कढणियूं आहिनि।

वर्ण माला

स्वर वर्ण

अ आ इ ई उ ऊ
ए ऐ ओ औ

व्यंजन वर्ण

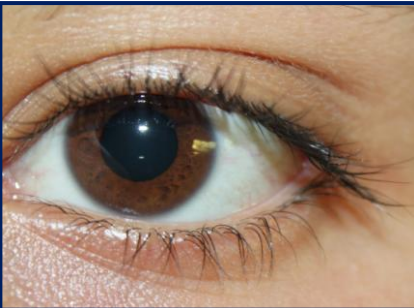
क	क़	ख	ख़	ग
ग़	ग	घ	ङ	
च	छ	ज	ज़	झ
झ	ञ			
ट	ठ	ड	ड़	ढ
ण				
त	थ	द	ध	न
प	फ	फ़	ब	ब़
भ	म			
य	र	ल	व	श
स	ह			

अ

अंबु

आम

मिठो-मिठो ताज़ो अंबु
साभिनी फलनि जो राजा अंबु।



अखि

आँख



अंगूर

अंगूर



अखरोट

अखरोट

अ

अ

अ

आ

आखेरो

घोंसला

आखेरो भले नंदो आहे पखियुनि जो,
पर होसलो बुलंदु आहे
आकास खे छुहण जो।



आकासु

आकाश



आडुरि

उंगली



आबु

पानी

आ

आ

आ

इ

इस्पतालि

अस्पताल

इस्पतालि हिकु अहिङो आस्थानु
जिते थिए हर इलाजु आसानु।



इनामु

इनाम



इमारत

इमारत



इटी-डकरु

गिली डंडा

इ

इ

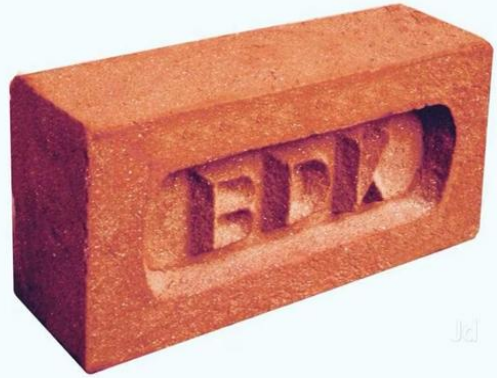
इ

ई

ईट

ईंट

ईट ईट सां ठहे मकानु
जंहि में रहे थो हर इंसानु।



ई-मेल

ई-मेल



ईजाउ

पीड़ा

ई

ई

ई

ई

ई

उ

उतु

ऊँट

उतु भरियो बि रडे,
त सखिणो बि रडे!



उखिरी

ओखली



उकाबु

चील



उलू

उल्लू

उ

उ

उ

ऊ

ऊंदहि

अँधेरा

अज्ञानु आहे ऊंदहि,
त ज्ञानु आहे रोशनी!



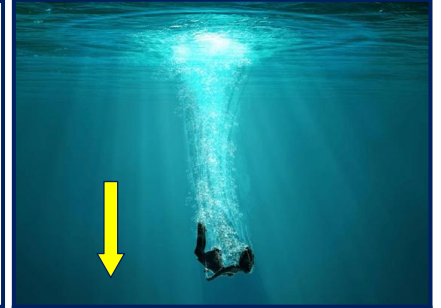
ऊनी

ऊन



ऊन्हारो

गर्मी



ऊन्हाई

गहराई

ऊ

ऊ

ऊ

ए

एकता

एकता

एकता में आहे शानु असांजो,
एकता में आहे मानु असांजो।



एम्ब्यूलंस

एम्बुलेंस



एकांकी

एकांकी नाटक

ए

ए

ए

ए

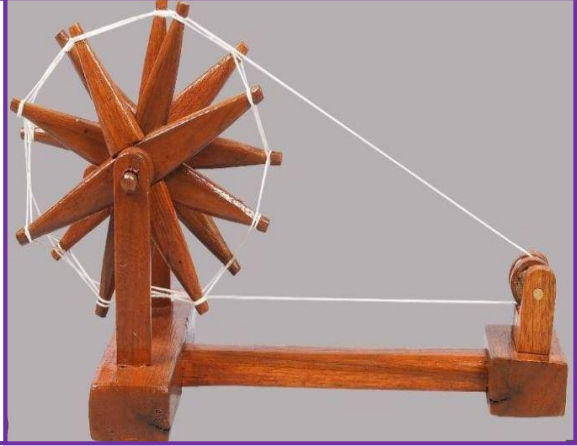
ए

ऐ

ऐटु

चरखा

ऐट अजा मां नंढिड़ी अहियां,
नेठि वड़ी बि त थींदियसि।



ऐनक

चश्मा

क

ऐराब

डायक्रिटिक मार्क



ऐशु

आनंद

ऐ

ऐ

ऐ

ओ

ओज़ार

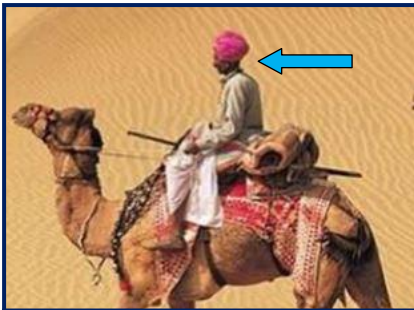
औज़ार

जा दिलि न खुले यारनि सां,
सा वरी खुले ओज़ारनि सां।



ओहु

थन



ओठी

ऊँट चालक



ओस

ओस

ओ

ओ

ओ

औ

औरत

महिला

कुदिरत जी आहे अनमोल नइमत,
धीअ, भेण, माउ ऐं औरत।



औषधि

दवा



औलादु

संतान

औ

औ

औ

औ

औ

क

ककर

बादल

आसमान में ककर कारा कारा
बार नचनि मौज में मतवारा।



कंवरु

कमल



कछूं

कछुआ



कटोरो

कटोरा

क

क

क

क

कलमु

कलम

कलमु आहे बेमिसालु
लिखति आहे लाजवाबु।



कबर

कब्र



किलो

किला



कुदिरत

प्रकृति

क

क

क

ख

खंभु

पंख

नारि ! खोले खंभ उडामि,
डिजु न कंहिजे डाढ खां!



खर-थूरी

कस्तूरी (सुगंध)



खाजा

काजू



खजूर

खजूर

ख

ख

ख

ख

खतु

पत्र

टपाली। ओ टपाली।
घोट जो खतु डेखारि।



खचरु

खच्चर



खज़ानो

खज़ाना



खरगोशु

खरगोश

ख

ख

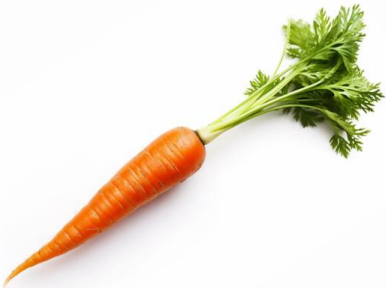
ख

ग

गांइ

गाय

गांइ माता,
सभु सुख दाता।



गजर

गाजर



गडहु

गधा



गप

कीचड़

ग

ग

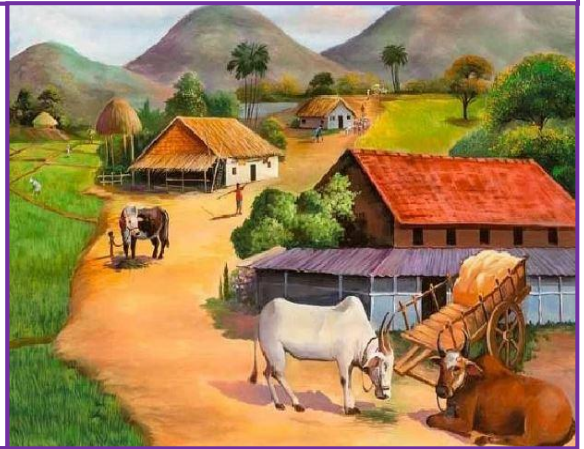
ग

ग

गोटु

गाँव

जिते गोठी, उते गोटु
जिते सिंधी, उते सिंधु।



गुंढि

गाँठ



गुडु

गुड़



गुभिरु

नवोदित युवा

ग

ग

ग

ग

गालीचो

कालीन

रंग-बिरंगी गालीचो
घर जी संहं वधाए गालीचो।



गुफा

गुफा



गोतो

गोता



गोराबु

जहाज

ग

ग

ग

घ

घोड़ी

घोड़ी

घोट चढ़ी घोड़ी,
तूं हली अचु डोड़ी।



घंटी

घंटी



घरु

घर



घाघरि

गागर

घ

घ

घ

च

चंगु

चंगु

चारण चोरियो चंगु,
वाह! संगीत जो रंगु।



चाकलेटु

चॉकलेट



चकुलो

चकला



चीतो

चीता

च

च

च

છ

છોલા

ચના

દાલિ, છોલા, ઢબલ,
તૂં ખાઈ વતુ શલા।



છટી

છાતા



છોકિરી

લડકી



છિતિ

છત

છ

છ

છ

ज

जोगी

तपस्वी

जोगी जादू लाए विया,
मूंखे कीन बुधाए विया।



जलु

पानी



जहाज़ु

जहाज



जादूगरु

जादूगर

ज

ज

ज

ज

जिभ

जीभ

जिभ आहे लाजवाबु,
वठे हर शइ जो सवादु।



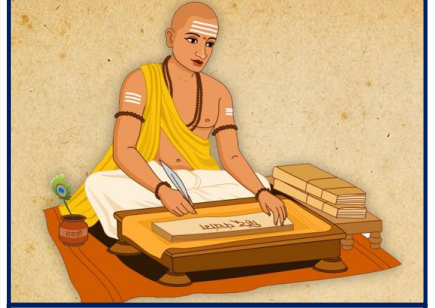
जॄन

बारात



जॄमूं

आलू बुखारा



जाणू

ज्ञाता

ज

ज

ज

ज़

ज़ाल

पत्नी

ज़ाल तरिया पकोड़ा,
मूं जो खाधा पकोड़ा,
मिर्च एडा विधाई
वहण लगा गोढ़ा।



ज़ख्म

घाव



ज़मीन

जमीन

ज़

ज़

ज़

ज़

ज़

झ

झिरिमिरि

सितारों की झिलमिल

झिरिमिरि जग में जोति जगे थी,
सुहिणी सोभ्या सर्सु लगे थी।



झंगु

जंगल



झरणो

झरना



झिर्की

चिड़िया

झ

झ

झ

ट

टोकिरो

टोकरा

छोकिरियुनि में छोकिरो,
किन जो टोकिरो।
राति भरींदो पाणी,
सुबुह कंदो सलामु।



टोपी

टोपी



टमाटो

टमाटर



टपाली

डाकिया

ट

ट

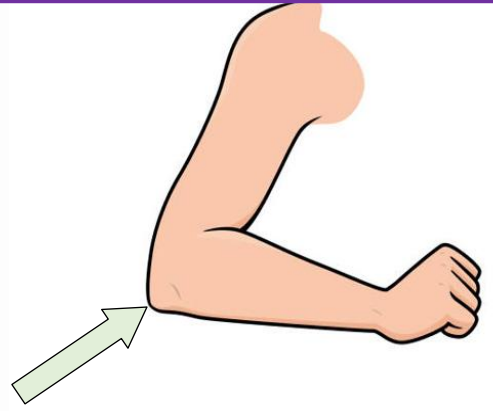
ट

ठ

ठूँठि

कोहनी

“ठूँठि लगी, साहेड़ी भगी।”



ठपो

मुहर



ठाँशो

मुक्का



ठाठारो

ताँबा कारीगर

ठ

ठ

ठ

ड

डखणु

बढ़ई

डखण दरु खड़िकायो
छोकरु डोड़ी आयो।



डाइरी

डायरी



डेल

मोरनी



डस्टरु

डस्टर

ड

ड

ड

ड

डियारी

दिवाली

डियारी माता, भली करे आई
नंढे-वडे फटाका बारे, डियारी खूबु मल्हाई।



डुंद

दांत



डाकणि

सीढ़ी



डेडरु

मेंढक

ड

ड

ड

ढ

ढोलक

ढोलक

ढोलक वजायो, साज वजायो,
मौज मचायो, होली मल्हायो।



ढढ

झील



ढगो

बैल



ढकु

ढक्कन

ढ

ढ

ढ

ण

कणिक

गेहूँ

कणिक हर घर जो भंडारु
हरिको खाए गरीबु तोड़े शाहूकारु।



माणिक

माणिक



वणु

पेड़



वाङण

बैंगन

ण

ण

ण

त

तारो

तारा

उभ में तारा लखें हज़ार
साईंअ जी महिमा अपार।



तस्वीर

तस्वीर



ताजु

मुकुट



ताम

पकवान

त

त

त

थ

थंभो

खंभा

रे थंभो रे थूणिए।
तूं छपरु, तूं छांवा।



थाल्ही

धातु की प्लेट



थधिड़ी

सिंधी त्यौहार



थेल्हो

थैला

थ

थ

थ

द

दिलि

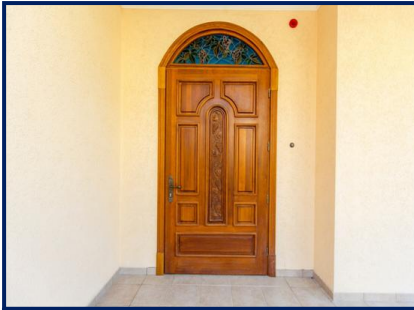
दिल

दिलि तुंहिंजी मुंहिंजी हिक आ,
डाढी असां बिन्हीं में सिक आ।



दगु

पथ



दरवाज़ो

दरवाज़ा



दालि-पकवान

सिंधी पकवान

द

द

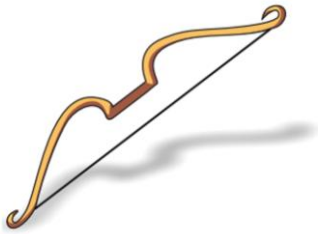
द

ધ

ધાળા

ધનિયા

ધૂ-ધૂ-ધાળા, છલા પુરાળા,
છલનિ મેંદી, અદલુ મહેદી।



ધનુષ

ધનુષ



ધીર

બેટી



ધોબી

ધોબી

ધ

ધ

ધ

न

नंहं

नाखून

आङुरि नंहं ज़ायो,
लोकु तमाशो आयो।



नकु

नाक



नांगु

साँप



नमस्ते

सम्मानपूर्ण अभिवादन

न

न

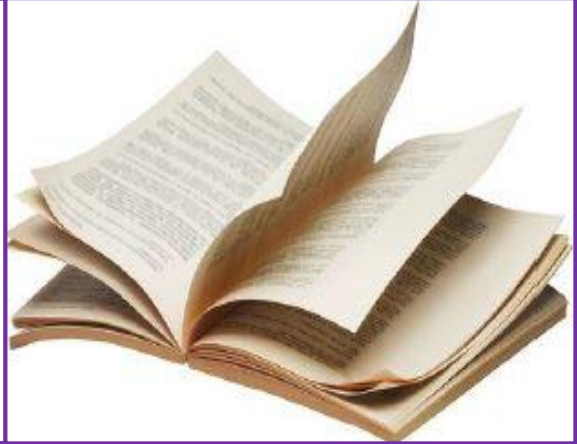
न

प

पनो

पृष्ठ

अखरु पढु अलिफ़ जो,
ब्रिया वर्क विसारि,
अंदरु तूं उज़ारि,
पना पढ़ंदे केतिरा।



पोपटु

तितली



पिपिर

पीपल का पेड़



पापडु

पापड़

प

प

प

फ

फूकिणो

गुब्बारा

फूके फाड़ि न फूकिणो,
मूखे आहे मलूकिणो।



फीथो

पहिया



फल

फल



फणी

कंघी

फ

फ

फ

फ़

फ़ौज

सेना

देशु रसियो जंहिं औज ते,
नाजु आहे तंहिं फ़ौज ते।



फ़रही

स्लेट



फ़कीर

उपासक



फ़नकारु

कलाकार

फ़

फ़

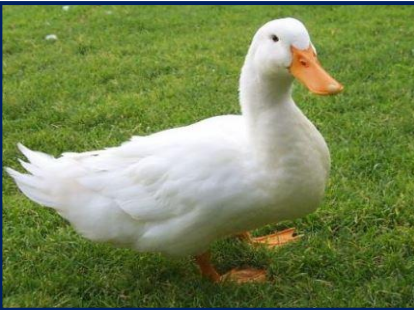
फ़

ब

बांदरु

बंदर

नचे टपे ऐं मौज मचाए,
बांदरु मामो दिल विंदुराए!



बदक

बत्तख



बघडु

भेड़िया



बरसाति

बारिश

ब

ब

ब

ब

बांह

बांह

को सज्जणु सज्जी बांहं डिए,
त सज्जी न गिहिजे!



बकिरी

बकरी



बेड़ी

नाव



बिली

बिल्ली

ब

ब

ब

भ

भूंगो

झोपड़ी

पराओ महलु ड्रिसी,
पंहिंजो भूंगो न डाहिजे।



भींडी

भिंडी



भतु

दलिया



भगति

सिंधी भक्ति गायन

भ

भ

भ

म

मखणु

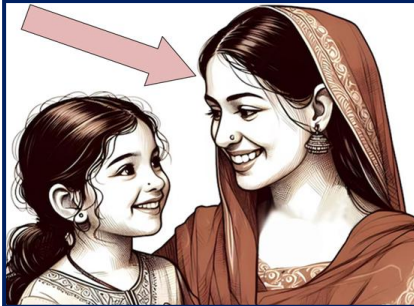
मकखन

माउ चवे थी पुट खे,
पुट! मखणु वठी खाउ।



मछी

मछली



माउ

माँ



माकोड़ो

बड़ी काली चींटी

म

म

म

य

यारु

मित्र

यारु त कजे हिकड़ो,
घणा कजनि न यारा।



यकतारो

एक तार वाला वाद्य



याकूतु

रक्तमणी



यंत्र

उपकरण

य

य

य

र

राजा

राजा

कोई राजा, कोई फ़कीर,
बाज़ीगर जी बाज़ी आ।



रखिड़ी

राखी



रांदीका

खिलौना



रतन

रत्न

र

र

र

ल

लाडी

दुल्हन

लाडो लाडी आणींदो,
शहजादी आणींदो।



लकुणु

छड़ी



लगडु

पतंग



लोतो

लोटा

ल

ल

ल

व

वार

बाल

करिं थो वार, खोले वार,
सउ-सउ वार, ओ सुहिणा।



वाजो

बाजा



वाघू

मगरमच्छ



वंगो

खीरा

व

व

व

श

शरीरु

शरीर

शरीरु आहे मंदरु,
साफु रखिजे अंदरु।



शींहुं

शेर



शहतूत

शहतूत का फल



शर्बतु

शरबत

श

श

श

स

संदलु

चंदन

सदलु खुशबूझ जो आ भंडारु
महक सां रोशनु सजो संसारु।



समुंडु

समुद्र



संखु

शंख



संगतिरो

संतरा

स

स

स

ह

हारी

किसान

हारी! तुंहिंजो पलड़ो भारी,
तूं छा लाइ हिमथ हारी।



हजमु

नाई



हटु

दुकान



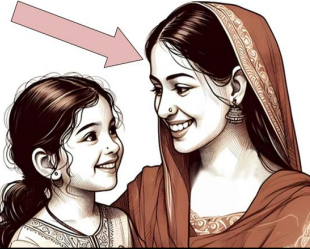
हिंदाणो

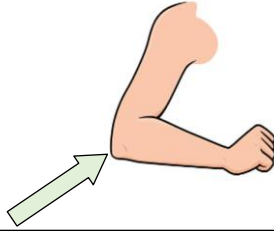
तरबूज

ह

ह

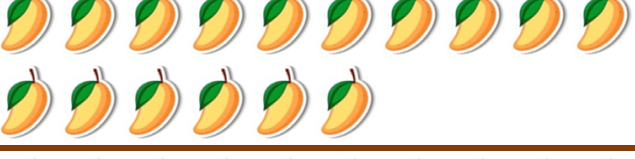
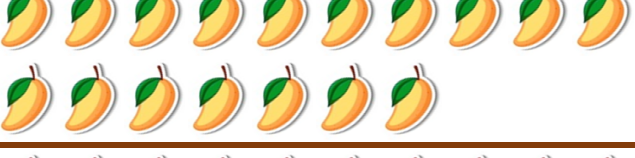
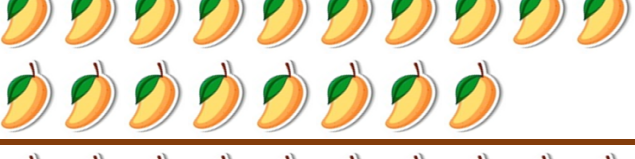
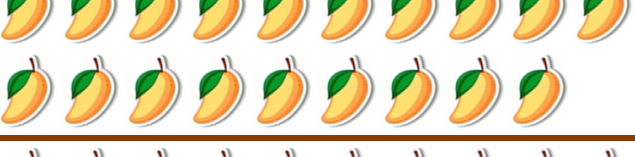
ह

स्वर	मात्रा जी निशानी	मिसालु	मिसालु
अ	◌	ककर 	कछूं 
आ	ा	माउ 	माणिक 
इ	ि	अखि 	क़िलो 
ई	ी	चीतो 	छटी 
उ	ु	कुदिरत 	वणु 

स्वर	मात्रा जी निशानी	मिसालु	मिसालु
ऊ	ू	ठूंठि	फूकिणो
			
ए	े	बेड़ी	डेल
			
ऐ	ै	बैंक	बैटिरी
			
ओ	ो	घोड़ी	गोराबु
			
औ	ौ	फ़ौज	ठौंशो
			

अचो त गुणूं

१	हिकु		1
२	ब		2
३	टे		3
४	चार		4
५	पंज		5
६	छह		6
७	सत		7
८	अठ		8
९	नवं		9
१०	डह		10

੧੧	ਧਾਰਹੰ		11
੧੨	ਬਾਰਹੰ		12
੧੩	ਤੇਰਹੰ		13
੧੪	ਚੋੜਹੰ		14
੧੫	ਪੰਦਰਹੰ		15
੧੬	ਸੋਰਹੰ		16
੧੭	ਸਤਿਰਹੰ		17
੧੮	ਅਰਿੜਹੰ		18
੧੯	ਤਣਵੀਹ		19
੨੦	ਵੀਹ		20

अंग

१	१	१	१	
२	२	२	२	
३	३	३	३	
४	४	४	४	
५	५	५	५	
६	६	६	६	
७	७	७	७	
८	८	८	८	
९	९	९	९	
१०	१०	१०	१०	

୧୧	୧୧	୧୧	୧୧	
୧୨	୧୨	୧୨	୧୨	
୧୩	୧୩	୧୩	୧୩	
୧୪	୧୪	୧୪	୧୪	
୧୫	୧୫	୧୫	୧୫	
୧୬	୧୬	୧୬	୧୬	
୧୭	୧୭	୧୭	୧୭	
୧୮	୧୮	୧୮	୧୮	
୧୯	୧୯	୧୯	୧୯	
୨୦	୨୦	୨୦	୨୦	

हिंदी वर्ण

स्वर

अ आ इ ई उ ऊ ऋ
ए ऐ ओ औ अं अः

व्यंजन

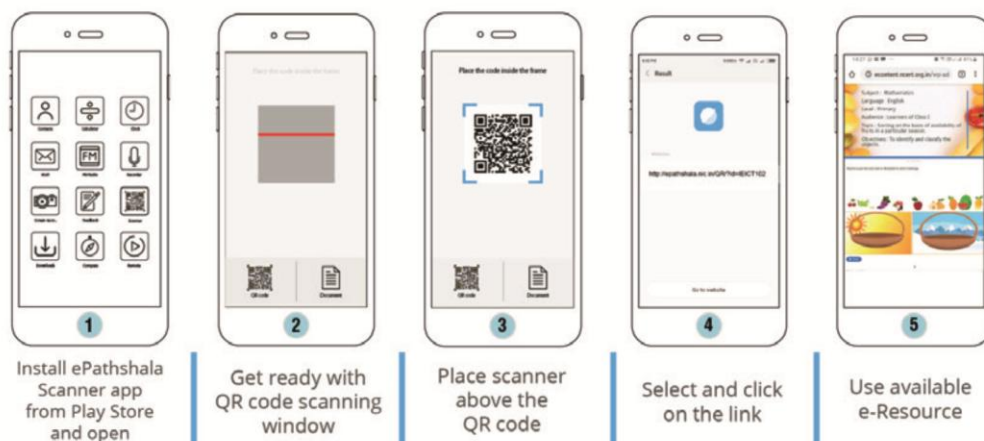
क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म
य	र	ल	व	श
ष	स	ह		

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala 



For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:
Go to <https://epathshala.nic.in/topics.php> and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA** 



For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:
Go to <https://diksha.gov.in/resources> and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-I (54)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
1	ANAL	12	HALABI (HALBI)	23	KONDA	34	MANIPURI	45	SANTALI (WEST BENGAL)
2	ANGAMI	13	HMAR	24	KORKU	35	MAO	46	SAVARA (SORA)
3	AO	14	JATAPU (KUVI)	25	KOYA	36	MISHMI	47	SHERPA
4	ASSAMESE	15	JUANG	26	KUI	37	MISING	48	SŪMI (SEMA)
5	BHUTIA	16	KABUI (RONGMEI)	27	KUKI	38	MIZO	49	TAMANG
6	BODO	17	KARBI	28	KURUKH/ORAO	39	MOGH	50	TANGKHUL
7	DEORI	18	KHANDSHI	29	KUWI	40	MUNDARI	51	TANGSA
8	DESLA	19	KHARIA	30	KUZHLE (KHEZHA)	41	NEPALI	52	TIWA (LALUNG)
9	DIMASA	20	KINNAURI	31	LIANGMAI	42	NYISHI (NISSI)	53	TULU
10	GADABA (GUTOB)	21	KISAN (KUNHU)	32	LIMBU	43	RAI	54	WANCHO
11	GARO	22	KODAVA (COORGI/KODAGU)	33	LOTHA	44	SANTALI (ODISHA)		

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-II (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
55	ADI	60	HO	65	KOM	70	MARAM	75	RENGMA
56	BHUMIJ	61	KHAMNIUNGAN	66	KONYAK	71	NOCTE	76	SHINA
57	CHANG	62	KOCH	67	LADAKHI	72	PASHTO	77	TAMIL
58	GONDI	63	KODA (KORA)	68	LEPCHA	73	POCHURY	78	TIBETAN
59	HALAM	64	KOLAMI	69	MARA (LAKHER)	74	RABHA	79	YIMKHIUNG (YIMCHUNGRE)

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-III (25)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
80	BENGALI	85	GUJARATI	90	KORWA	95	MARATHI	100	ODIA
81	BHILI	86	KANDHA (KONDH)	91	LAHAULI	96	MARING	101	PARJI (DURUA)
82	BISHNUPRIYA MANIPURI	87	KANNADA	92	MAITHILI	97	MONPA	102	PHOM
83	CAR NICOBARESE (PÜ)	88	KHASI	93	MALAYALAM	98	MUNDA	103	PUNJABI
84	DOGRI	89	KONKANI	94	MALTO	99	NANCOWRY (MÖUT)	104	TELUGU

PRIMERS DEVELOPED IN PHASE-IV (13)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
105	BALTI (PERO-ARABIC)	108	GONDI-TELUGU	111	LAI (PAWI)	114	SINDHI (DEVANAGARI)	116	URDU
106	BHILI (WAGDI)	109	KASHMIRI (DEVANAGARI)	112	SANGTAM	115	SINDHI (PERO-ARABIC)	117	ZEME (ZEMI)
107	CHOKRI	110	KASHMIRI (PERO-ARABIC)	113	SANTALI (JHARKHAND)				

PRIMERS UNDER PREPARATION (8)

SN	Language	SN	Language	SN	Language	SN	Language
118	GANGTE	120	KOKBOROK (TRIPURI)	122	SANSKRIT	124	VAIPHEI
119	HINDI	121	PAITE	123	THADOU-KUKI	125	ZOU



भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages

(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006

☎ 0821 2515820 (Director) / ✉ ada-ciilmys@gov.in

विद्यया ऽ मृतमश्नुते



एन सी ई आर टी
NCERT

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training

Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016

☎ 011 2696 2580 / ✉ dceta.ncert@nic.in